"पूज्य श्री तनसिंह जी"

जन्म शताब्दी समारोह

28 जनवरी 2024, रविवार
जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम, नई दिल्ली

समारोह की भव्यता और मर्यादा के लिए हमारे दायित्व

मर्यादा पालन और अनुशासन हमारी पहचान है

1) हमारा एकत्र होना किसी को भयभीत करने के लिए नहीं बल्कि आश्वस्त करने के लिए है, किसी को तंग करने के लिए नहीं बल्कि अराजकता के माहौल में हमारे मर्यादा पूर्ण आचरण से दंग करने के लिए है इसलिए दिल्ली निवासियों, स्थानीय प्रशासन, समारोह में पधारे हमारे साथियों आदि को हमारे कारण कोई परेशानी नहीं हो, इसका विशेष ध्यान रखें।

2) सुविधाओं के उपयोग का अवसर पहले अपने साथियों को देवें, अन्यों की सुविधा का ध्यान रखें।

3) व्यवस्था में लगे स्वयंसेवकों एवं स्वयंसेविकाओं के आग्रह को स्वीकार करें, उन पर किसी प्रकार का दबाव न बनायें।

4) स्वयंसेवकों, स्वयंसेविकाओं, महिलाओं एवं पुरुषों के लिए अलग-अलग बैठक स्थान निर्धारित होंगे। सभी अपनी व्यवस्था अनुसार ही बैठें। यदि पूरे परिवार के सदस्यों को एक साथ ही बैठना हो तो पुरुषों के लिए निर्धारित स्थान पर ही बैठें।

5) पूरे समारोह के दौरान किसी प्रकार के नारे न लगायें एवं ताली नहीं बजायें। किसी भी प्रकार का शोर नहीं करें, आपस में बातें न्यूनतम करें।

6) मुख्य स्टेडियम के बाहर संभागवार व क्षेत्र वार कंट्रोल रूम स्थापित होंगे। कार्यक्रम से पहले तथा कार्यक्रम समापन के बाद अपने-अपने संभाग के कंट्रोल रूम पर सूचित करें और वहां से मिलने वाले निर्देश का पालन करें।

7) कार्यक्रम में बैठने से पूर्व लघु शंका आदि से निवृत हो लेवें एवं पानी की बोतल भर कर साथ रखें।

8) कार्यक्रम के समय मोबाइल नेटवर्क पर अत्यधिक भार रहेगा, इसलिए कार्यक्रम के बाद इकट्ठा होने के स्थान के बारे में बैठने से पूर्व पूरी जानकारी ले लेवें।

9) स्टेडियम में किसी भी प्रकार का कूड़ा कूड़ेदान में ही डालें, इधर-उधर न बिखेरें।

10) स्टेडियम के अंदर व बाहर पर्याप्त संख्या में शौचालय बने हुए हैं, कृपया उनका उपयोग करें।

11) स्टेडियम में हल्के खान पान की स्टॉल्स सशुल्क उपलब्ध हैं जिसका समारोह के अनुशासन का पालन करते हुए आप उपयोग कर सकते हैं।

12) समारोह के पूर्ण होने के पश्चात स्टेडियम से बाहर निकलने की जल्दबाजी न करें। दिल्ली के स्थानीय निवासियों को पहले जाने का अवसर देवें। उसके बाद व्यक्तिगत साधनों व बस वालों को अवसर देवें एवं उसके बाद विशेष रेलगाड़ियों वाले प्रस्थान करें। स्थानीय निवासी, बस वाले व अन्य व्यक्तिगत साधनों वाले 5.00 बजे तक समारोह स्थल से विसर्जित हो जायें।

13) यदि आप अपने साथियों से अलग हो जाते हैं तो किसी प्रकार की हड़बड़ी न बरतें, वहां खड़े किसी भी स्वयंसेवक या स्वयंसेविका से सहायता मांगे अथवा अपने संभाग के कंट्रोल रूम में पहुंचकर बात करें।

14) पूज्य तनसिंह जी द्वारा रचित साहित्य समारोह स्थल पर विक्रय के लिए उपलब्ध रहेगा, सभी संभागी उसका लाभ लेवें।